# युधिष्ठिर की वेदना

प्र.1) रिक्त स्थानों की पूर्ती करें।

अ) इसके बाद धृतराष्ट्र ने भीम को अपने पास बुलाया।

आ) श्रीकृष्ण का भय सही साबित हुआ।

इ) मुझे पहले से ही मालूम था कि क्रोध में आकर आप ऐसा काम करेंगे।

ई) भीमसेन अभी जीवित है।

उ) उन्होंने सभी पांडवों को आशीर्वाद देकर विदा किया।

ऊ) उनकी अवस्था पर गांधारी को बड़ी दया आयी।

ए) हमें सांत्वना देनेवाला कौन है।

ऐ) अर्जुन ने गृहस्थ धर्म की श्रेष्ठता पर प्रकाश डाला।

ओ) इस तरह देर तक युधिष्ठिर से वाद-विवाद होता रहा।

औ) हमारी ढिठाई को क्षमा करें।

प्र.2) एक-एक वाक्य में उत्तर लिखें।

अ) पांडव और श्रीकृष्ण किसके पास गए?

पांडव और श्रीकृष्ण धृतराष्ट्र के पास गए।

आ) धृतराष्ट्र क्रोध में क्यों था?

धृतराष्ट्र पुत्र-शोक के कारण क्रोध में था।

इ) भीम के प्रतिमा के साथ धृतराष्ट्र ने क्या किया?

भीम की प्रतिमा को कस के गले लगाया इस वजह से वह चूर-चूर हो गयी।

ई) गांधारी को देख अर्जुन क्यों डर गया?

गांधारी का शोकोद्वेग देख अर्जुन डर गया।

उ) द्रौपदी क्यों रो रही थी?

अपने सुकुमार बालकों के मारे जाने के कारण शोक में द्रौपदी रो रही थी।

ऊ) युधिष्ठिर के मन में व्यथा क्यों थी?

हमने अपने बांधवों को मारकर राज्य पाया है इस बात से युधिष्ठिर को व्यथा

रहने लगी।

ए) पितामह भीष्म ने युधिष्ठिर को क्या समझाया?
पितामह भीष्म ने युधिष्ठिर को धर्म का मर्म समझाकर उपदेश किया।

ऐ) गांधारी को द्रौपदी पर दया क्यों आयी?
द्रौपदी और गांधारी का दुःख एक जैसा था इसिलिए गांधारी को द्रौपदी पर दया आ गयी।

प्र.3) दिए गए वाक्य सही है या गलत वह लिखो।

अ) श्रीकृष्ण और पांडव धृतराष्ट्र के सामने हाथ जोड़ के खड़े थे। सही
आ) गांधारी और द्रौपदी का दुःख एक-समान था। सही
इ) धृतराष्ट्र को भीम पर प्यारा आया। गलत
ई) धृतराष्ट्र ने भीम की हत्या कर दी। गलत
उ) अर्जुन ने गृहस्थ धर्म बताया। सही
ऊ) युधिष्ठिर को कोई पछतावा नहीं था। गलत
ए) धृतराष्ट्र ने युधिष्ठिर को अपना पुत्र मान लिया। सही
ऐ) युधिष्ठिर वन में चला गया। गलत